गुरुवार
10 नवम्बर 2022
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

हर तरफ जय श्रीराम की गूंज 5

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

छोटी खबरें

विवादित ढांचा विध्वंस मामले में आडवाणी समेत अन्य को राहत

लखनऊ। अयोध्या के विवादित ढांचा विध्वंस मामले में सत्र अदालत द्वारा सभी अभियुक्तों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली अपील को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने खारिज कर दिया है। न्यायालय ने अयोध्या निवासियों हाजी महबूब अहमद व सैयद अखलाक अहमद को मामले का पीड़ित नहीं माना है और उनकी ओर से दाखिल उक्त अपील को अपोषणीय करार दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति सरोज यादव की खंडपीठ ने बुधवार को पारित किया। विशेष अदालत, अयोध्या प्रकरण ने 30 सितम्बर 2020 को निर्णय पारित करते हुए, विवादित ढांचा विध्वंस मामले में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी, पूर्व राज्यपाल स्व. कल्याण सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, लोक सभा सदस्यों साक्षी महाराज, लल्लू सिंह व बृजभूषण शरण सिंह समेत सभी अभियुक्तों को बरी कर दिया था।

रामपुर सदर सीट के लिए उप-चुनाव की अधिसूचना पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सपा नेता आजम खान की रामपुर सदर सीट के लिए 10 नवंबर को जारी होने वाली उप-चुनाव की अधिसूचना को एक दिन के लिए रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सेशन कोर्ट को आदेश दिया है कि वो सजा के खिलाफ आजम खान की अपील पर गुरुवार यानी 10 नवंबर को सुनवाई करे और उसी दिन फैसला करे। कोर्ट के इस फैसले से रामपुर के उप-चुनाव का भविष्य भी तय होगा क्योंकि इसी सजा के आधार पर आजम खान को अयोग्य घोषित करते हुए रामपुर सीट को रिक्त घोषित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि वो चाहे तो 11 नवंबर या उसके बाद किसी भी दिन रामपुर में उप-चुनाव की घोषणा कर सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने बुधवार को सुनवाई में कहा कि 10 नवंबर को सेशन कोर्ट आजम खान की सजा के खिलाफ अपील पर फैसला करे। उस फैसले के हिसाब से अगले दिन या उसके बाद चुनाव आयोग उपचुनाव की अधिसूचना जारी कर सकता है।

बलिया से अगवा बच्ची को भागलपुर से छुड़ाया गया

बलिया। यूपी के बलिया जिले से चार महीने पहले कथित तौर पर अगवा की गई 13 साल की बच्ची को बिहार के भागलपुर से छुड़ा लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने के बाद लड़की को परिवार को सौंप दिया गया है। लड़की के अपहरण होने के बाद से उसके परिवार के लोग परेशान थे।

बक्सर आए कैलाश खेर ने गीतों से सब को झुमाया

मंगलवार की रात बक्सर में आयोजित सनातन संस्कृति समागम में गायक कैलाश खेर पहुंचे। स्टेज पर पहुंचते ही उन्होंने लोगों का और बक्सर का अभिवादन करते हुए जय श्रीराम का उदघोष किया। इसके बाद उन्होंने मैं तो तेरे प्यार में दीवाना हो गया... , जय जयकारा स्वामी देना साथ हमारा, तौबा तौबा रे तेरी सूरत... समेत कई गाने गाकर लोगों को खूब झुमाया। इस दौरान युवाओं की टोली मदमस्त होकर झूम रही थी।

नीतीश कुमार ने विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के नवचयनित सहायक प्राध्यापक को सौंपा नियुक्ति पत्र

जल्द भरे जाएंगे विभागों के रिक्त पद : सीएम

- विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के 281 नवचयनित सहायक प्राध्यापक और पंचायती राज विभाग के 144 प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को दिया गया नियुक्ति पत्र
- मुख्यमंत्री बोले- हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा बच्च व बच्चियां पढ़ें और आगे बढ़ें

केटी न्यूज पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को ज्ञान भवन में आयोजित विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के नवचयनित सहायक प्राध्यापक (असैनिक) एवं पंचायती राज विभाग के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों की नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के 5 नवचयनित सहायक प्राध्यापक (असैनिक) एवं पंचायती राज विभाग के 5 प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये खुशी की बात है कि विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के 281 नवचयनित सहायक प्राध्यापक (असैनिक) तथा पंचायती राज विभाग के 144 प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। कुल 425 पदों पर नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के द्वारा हमलोगों ने हर जिले में एक-एक अभियंत्रण महाविद्यालय और 48 पॉलिटेक्निक संस्थानों का प्रावधान कर दिया है। लगभग सभी जगह निर्माण कार्य पूर्ण है और पढ़ाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभियंत्रण महाविद्यालय में अभी 337 शिक्षक कार्यरत हैं। 2241 और पद स्वीकृत किया गया है। 398 पदों का चयन हुआ है जिसमें से आज 281 लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया। 687 पदों पर साक्षात्कार चल रहा है। जितने और लोगों की बहाली की जरुरत है उनकी बहाली जल्दी की जाएगी। डॉक्टर इंजीनियर पुलिस सहित अन्य विभागों में जितनी बहाली की जरुरत होगी वो शीघ्र पूरी की जायेगी।

पंचायती राज विभाग में बहाली की मिल चुकी है स्वीकृति: मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायत सरकार भवन का सभी जगहों पर निर्माण किया जा रहा है। हमने पंचायत सरकार भवन बनवाकर केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की तरह ही पंचायतों में पंचायत सरकार का नामकरण किया। यहां भी जो बहाली होनी है उसकी भी स्वीकृति दी जा चुकी है। सभी पंचायतों में सारा काम किया जा रहा है। हर स्तर पर लोगों की बहाली की जानी है। हमारी इच्छा है कि सब काम अच्छे ढंग से हो जाए। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे-बच्चियां पढ़ें और आगे बढ़ें। पहले की स्थिति से आज बच्चे-बच्चियों की स्थिति में काफी बदलाव आया है।

रात में सोलर स्ट्रीट लाइट रौशन होंगे गांव : मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में अब रातों में सोलर स्ट्रीट लाइट के माध्यम से रौशनी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सबसे विनम्र आग्रह है कि आपस में प्रेम और भाईचारे का भाव बनाए रखें जाति और धर्म के नाम पर झगड़ा नहीं करना चाहिए। आपस में मिलकर रहिएगा तो विकास कीजिएगा, झगड़ा कीजिएगा तो विकास का काम रुक जाएगा। इसलिए सभी लोग आपस में मिलकर रहें।

हरकी पौड़ी की तर्ज पर होगा बेगूसराय के सिमरिया में गंगा घाट का विकास

बिहार के बेगूसराय के सिमरिया में गंगा घाट का विकास हरकी पौड़ी की तर्ज पर किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए यहां सभी प्रकार की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके तहत सिमरिया में गंगा नदी के घाट पर स्नानागार चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। इसका ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया गया है। बुधवार को बेगूसराय पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी घोषणा की। सीएम ने उम्मीद जताई कि अगले कल्पवास मेला के पहले सभी तरह का निर्माण कार्य पूरा कर लिए जाएंगे। बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सिमरिया में गंगा घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य से संबंधित ब्लूप्रिंट का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि दोनों पुलों के बीच में सिमरियाधाम में स्थायी स्नान घाट, चेंजिंग रूम, ठरहने की आदि की व्यवस्था रहेगी। पुल से पूरब मुक्तिधाम बनेगा। मुक्तिधाम में बिजली के साथ साथ लकड़ी से भी शव जलाने की मुकम्मल व्यवस्था होगी।

न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

एजेंसी नई/दिल्ली

न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने आज भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मीडिया को दिए अपने पहले बयान में, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आम नागरिक की सेवा करना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने रजिस्ट्री और न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि मेरी बातों से ज्यादा मेरा काम बोलेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद

संभालने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में महात्मा गांधी की प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा करना मेरी प्राथमिकता है। हम भारत के सभी नागरिकों की रक्षा करेंगे, चाहे वह टेक्नोलॉजी या रजिस्ट्री सुधारों, या न्यायिक सुधारों से जुड़े मामले में हो।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ अयोध्या विवाद, निजता का अधिकार जैसे अहम मुकदमों में फैसले देने वाली पीठ का हिस्सा रहे हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ देश में सबसे लंबे समय तक सीजेआई रहे न्यायमूर्ति वाई. वी. चंद्रचूड़ के बेटे हैं। उनके पिता 22 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक भारतीय न्यायपालिका के प्रधान रहे थे। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सात दशक से अधिक लंबे इतिहास में यह पहला मौका है जब एक पूर्व प्रधान न्यायाधीश के बेटे इस पद पर आसीन हुए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 तक दो साल के लिए इस पद पर रहेंगे। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश 65 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं। उन्होंने न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित का स्थान लिया जिन्होंने 11 अक्टूबर को उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाए जाने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति ने उन्हें 17 अक्टूबर को अगला सीजेआई नियुक्त किया था। न्यायमूर्ति ललित का कार्यकाल आठ नवंबर को पूरा हो गया, वह केवल 74 दिन के लिए इस पद पर रहे।

पटना में सहारा इंडिया के खिलाफ प्रदर्शन

पटना। पटना में सहारा इंडिया के खिलाफ बुधवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन दिया। यह प्रदर्शन ऑल इंडिया संयुक्त जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैनर तले किया गया था। जहां लोगों ने थाली पीट कर सरकार व सहारा इंडिया के खिलाफ नारेबाजी की। जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। ये प्रदर्शन सहारा प्रमुख सुब्रतो राय के खिलाफ किया गया। लोगों का कहना है कि सहारा इंडिया हमारा मैच्योरिटी पेमेंट नहीं दे रही। हमलोग थक चुके है, लेकिन हमारी सुनने वाला कोई नहीं। इसलिए हमे प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ रहा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

राजद के प्रदेश कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया तेजस्वी का जन्मदिन

केटी न्यूज/पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बुधवार को अपना 33 वां जन्मदिन मनाया। सरकार में आने के बाद तेजस्वी यादव का उनका यह पहला जन्मदिन रहा। लिहाजन राजद के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त खुशी दिखी। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में तेजस्वी यादव का जन्मदिन बड़े धूम धाम से मनाया। पटना के राजद के प्रदेश कार्यालय में तेजस्वी यादव का जन्मदिन काफी धूमधाम से मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय को खूब सजाया था। कार्यालय में तमाम व्यवस्थाएं की गई थी मंच बनाए गए थे गुब्बारे लगाए गए थे। तेजस्वी ने बड़ा सा केक भी काटा। तेजस्वी यादव के पार्टी कार्यालय पहुंचते ही कार्यत्वों ने खूब नारे लगाए। नेताओं ने तेजस्वी को गुलदस्ता और फूल दिया और जन्मदिन की बधाई भी दी। तेजस्वी यादव ने सबका अभिवादन स्वीकार किया।

तेजस्वी यादव बुधवार को 33 साल के हो गए। उन्होंने आधी रात को 12 बजे केक काटकर अपना 33वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान तेजस्वी यादव की मां राबड़ी देवी और बड़े भाई तेजप्रताप यादव भी मौजूद रहे। तेजस्वी अपने पिता लालू प्रसाद यादव से आशीर्वाद लेने दिल्ली भी जा सकते हैं। प्रदेश कार्यालय के साथ आज जिलों के पार्टी कार्यालय में उनके जन्मदिन मनाया गया। वहीं कई जिलों में आज उनके जन्मदिन पर रक्त दान शिविर से लेकर कई तरह के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

बेंच पर बैठने के विवाद में छात्र ने दूसरे छात्र को मारी गोली

केटी न्यूज/नवादा

नवादा में बेंच पर बैठने के विवाद में बुधवार को एक कोचिंग के छात्र ने दूसरे छात्र को गोली मार दी। दोनों के बीच एक दिन पहले बेंच पर बैठने को लेकर लड़ाई हुई थी। बुधवार को कोचिंग पहुंचते ही दोनों लड़ने लगे। इसी बीच तीसरा छात्र बीच बचाव करने आया। तभी एक ने उस पर पर गोली चला दी। गोली पेट के आर पार हो गई। मामला शहर के नवीन नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर का है। छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं एक अन्य छात्र को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। दोनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गोली लगने से जख्मी छात्र को बेहतर इलाज के लिए विम्स पावापुरी रेफर कर दिया गया। घायल छात्रों में हर नारायणपुर गांव निवासी महेंद्र कुमार के पुत्र रजनीश कुमार और नारदीगंज थाना क्षेत्र के डोमावर गांव निवासी सुधीर कुमार के पुत्र ऋतिक रोशन शामिल है।

सरसों के बीज डीएमएच -11 पर लगे प्रतिबंध : पूर्व मंत्री

- बिहार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखा पत्र

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने बुधवार को अनुवंशिक रूप से निर्मित सरसों के बीज डीएमएच -11 के इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए सीएम नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखी है। सुधाकर सिंह ने इसके इस्तेमाल से पर्यावरण और खेती को होने वाले नुकसान को लेकर विस्तार से परिभाषित करते हुए कहा है कि इसके परीक्षण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके इस्तेमाल से छोटे और खास तौर पर सीमांत किसानों के लिए विनाशाकारी परिणाम होंगे। सुधाकर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि सर्वोच्च अदालत ने 3 नवंबर को मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि अदालत 10 नवंबर को कार्यकर्ता अरुणा रॉड्रिक्स के आवेदन पर फिर से सुनवाई करेगी जिसमें जीएम सरसों की व्यावसायिक खेती के लिए वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति से मंजूरी को चुनौती दी गई थी और बाद में इसकी मंजूरी दी गई थी। सुधाकर सिंह ने चिट्ठी में लिखा कि जीईएसी ने जीएम सरसों के बीज को उचित परीक्षण के बिना अपनी मंजूरी दे दी है। मैं आपसे इसका तत्काल संज्ञान लेने और राज्य में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के सभी केंद्रों पर इसकी बुवाई बंद करने का आग्रह करता हूं। मेरी मांग है कि बिहार में इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए। २

अब मतदाता सूची में नाम जुड़वाना और सुधार करना होगा आसान

- चुनाव आयोग ने बिहार, उत्तराखंड और असम में मतदाता सूची के लिए लांच किया नया सॉफ्टवेयर

केटी न्यूज/पटना

चुनाव आयोग ने बिहार सहित देश के तीन राज्यों में नया सॉफ्टवेयर लांच किया है। इससे बिहार, उत्तराखंड और असम के लोगों को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाना काफी आसान हो जाएगा। इसके साथ ही, वोटर आईडी में सुधार भी

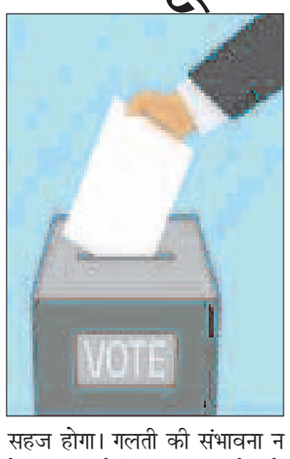

सहज होगा। गलती की संभावना न के बराबर होगी। चुनाव आयोग ने लगभग चार वर्ष के बाद अपने सॉफ्टवेयर में कोई बड़ा बदलाव किया गया है। आयोग ने पुराने सॉफ्टवेयर में बदलाव करे ERO NET का 2.0 वर्जन लॉन्च किया है। इससे मतदाताओं को किसी परेशानी का सामना करने मुक्ति मिलेगी। पुराने सॉफ्टवेयर में मतदाताओं को नाम जोड़ने या किसी प्रकार के सुधार करने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब नए सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की संभावना कम होगी। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर श्रीनिवास ने बताया कि अब आमलोगों के लिए घर से ऑनलाइन आवेदन और सुधार की प्रक्रिया काफी आसान हो जाएगी। आवेदक को पेज सेव करके उस पर आराम से सुधार करने का मौका मिलेगा। देश में इसे सबसे पहले नए सॉफ्टवेयर को छोटे राज्य गोवा के लिए लॉच किया गया था। इसके बाद अन्य राज्यों में इसका प्रयोग शुरू किया गया है। बिहार, उत्तराखंड और असम में इसका प्रयोग 9 नवंबर से शुरू हो गया।

सॉफ्टवेयर ऐसा कि इसमें किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं

बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एच आर श्रीनिवास के मुताबिक नए साफ्टवेयर में फाइनल सबमिट करने तक आप हर स्टेज कर सुधार कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर को ऐसा डिजाइन किया गया है कि कोई भी गड़बड़ी नहीं होने पाएगी। फाइनल प्रोसेस तक आप अपना फोटो या नाम में गड़बड़ी सही करा सकते हैं। अब ऐसा साफ्टवेयर है जिसका पेज कभी हैंग नहीं करेगा, आप मोबाइल से या लैपटाप से इसे आसानी से भर सकते हैं। नाम सुधार के लिए आपको प्रूफ देना होगा और मतदाता बनने के लिए भी उम्र के प्रमाण के साथ भारत के नागरिक होने का प्रमाण देना होगा। लास्ट स्टेज में सबमिशन से पहले यह आपकी पूरी जानकारी सही सही दर्ज होगी तो आपका आवेदन सक्सेस होगा नहीं तो साफ्टवेयर ही उसे एक्सपर्ट नहीं करेगा। ऐसे में पेंडिंग केस नहीं बढ़ेगा और जीरो एरर के साथ मतदाता क नाम जुड़ जाएगा। दिल्ली से पहले बिहार में लॉन्चिंग का उद्देश्य बिहार की भौगोलिक स्थिति है। बिहार में लगभग 7 करोड़ मतदाता हैं, इस संख्या को देखते हुए बिहार में इसकी जरूरत महसूस हुई। भारत निर्वाचन आयोग ने इस कारण से बिहार को दिल्ली और अन्य राज्यों से पहले बिहार को चुना है। बिहार के बाद अब देश के अन्य राज्यों में इस नए सॉफ्टवेयर को लॉन्च किया जाएगा।

बार-बार फीड नहीं करना पड़ेगा डाटा

नए सॉर२२२ॅफ्टवेयर में यूजर को अपना डाटा बार-बार फीड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक बार भरा गया डाटा सेव रहेगा। हालांकि इसमें हर स्तर पर सुधार की संभावना बनी रहेगी। इस सॉफ्टवेयर में कोई गड़बड़ी की संभावना नहीं होगी। इसे लैपटॉप से लेकर मोबाइल तक पर आसानी से इस्तेमाल किया जा सकेगा। यूजर को नाम सुधार के लिए आपको प्रूफ देना होगा और मतदाता बनने के लिए भी उम्र के प्रमाण के साथ भारत के नागरिक होने का प्रमाण देना होगा।

एक नजर

दुर्गा मंदिर में हुई चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

सासाराम। जिला मुख्यालय के अड्डा रोड स्थित दुर्गा मंदिर में हुए चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है, चोरी गए आभूषण बरामद कर लिया गया और चोर भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी आशीष भारती ने बुधवार शाम को बेताया कि गत 3 नवंबर की रात में दुर्गा मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। घटना को लेकर लोगों में काफी रोष था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसडीपीओ, सासाराम के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम द्वारा मामले में अनुसंधान और छापेमारी की जा रही थी। इस क्रम में जानकारी मिली की चोर मंदिर से चुराए आभूषण को जानी बाजार, सासाराम में में किसी आभूषण दुकान में बेचने वाले हैं।

तुतला भवानी कुंड में डूबने से एक की मौत

सासाराम। जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र में स्थित तुतला भवानी कुंड में बुधवार को डूबने से युवक की मौत हो गई। बताते हैं कि दोस्तों के साथ दर्शन करने आया युवक दोस्तों के साथ कुंड में स्नान कर रहा था, इस क्रम में वह डेंजर जोन में चला गया और डूब गया। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई, प्रशासन को सूचना दी गई। डूबे युवक की पहचान जिले के कच्छवा थाना क्षेत्र के सोहदना गांव के विनोद शर्मा के रूप में की गई है। बताते हैं कि मृतक एयर फोर्स स्टेशन, बरेली में सार्जेंट के पोस्ट पर तैनात था। मौके पर पहुंचे तीलौथू के सीओ ने बताया कि विनोद शर्मा, ग्राम सोहदना थाना कच्छवा अपने दोस्तों के साथ तुतला भवानी में दर्शन को आया था। इसी दौरान कपड़ा उतार कर कुंड में नहाने चला गया। पानी में जाते के साथ ही गहरे पानी में जाने के कारण उसका पता नहीं चल सका। वन विभाग की टीम द्वारा डूबे युवक की खोज की जा रही है।

बालू ओवरलोडिंग के खिलाफ छापेमारी अभियान

सासाराम। जिले में बुधवार को बालू के डंपिंग, ओवरलोडिंग एव परिहवन के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। तीन थाना क्षेत्रों में चले अभियान में ओवलोडेड 7 वाहन जब्त किए गए हैं, जबकि तीन चालकों को भी गिरफ्तार किया गया है। एसपी आशीष भारती ने बताया कि डिहरी नगर थाना, करगहर एवं चेनारी थानांतर्गत आज रोहतास पुलिस को सूचना मिली कि खनन माफियाओं के द्वारा अवैध खनन, ओवरलोडिंग कर बालू का अवैध रूप से ढुलाई किया जा रहा है। इस सूचना का सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई हेतु थानाध्यक्ष डिहरी नगर थाना, करगीर थाना एवं चेनारी थाना तथा जिलास्तरीय विशेष टीम को अपने.अपने थाना क्षेत्र में अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग के विरुद्ध सघन छापेमारी करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

मिशन परिवार विकास के तहत परिवार नियोजन के प्रति पुरुषों को जागरूक करने की तैयारी

- 14 से 20 नवंबर तक दंपति संपर्क सप्ताह का होगा आयोजन
- राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, परिवार नियोजन ने पत्र जारी कर दिए निर्देश

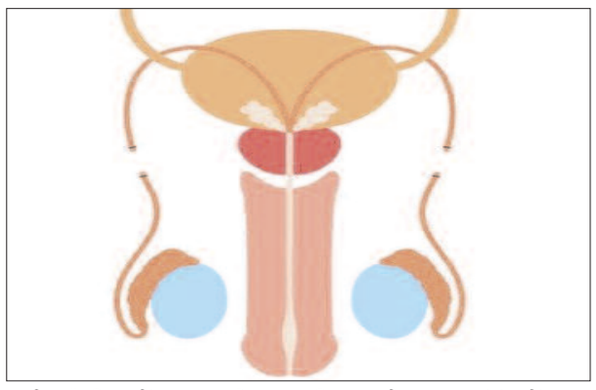

केटी न्यूज/आरा

जनसंख्या स्थिरीकरण एवं बेहतर प्रजनन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर कदम उठाये जा रहे हैं। इसी क्रम में मिशन परिवार विकास अभियान के अंतर्गत पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन जिले में किया जायेगा। इस संबंध में राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, परिवार नियोजन डॉ. मोहम्मद सज्जाद ने सिविल सर्जन को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। जारी पत्र में निर्देशित है कि ह्नदंपत्ति संपर्क सप्ताहह्व एवं ह्नपरिवार नियोजन सेवा पखवाड़ाह्व का भी आयोजन किया जायेगा।

लाभार्थी एवं प्रेरक दोनों को प्रोत्साहन राशि : डॉ. सिन्हा ने बताया कि जिला में पुरुष नसबंदी की स्थिति में सुधार लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग काफी प्रयास कर रहा है। यहां यहा तक कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों को नसबंदी कराने के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को भी ज्यादा रखा गया है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपये एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपये दिया जाता है। जबकि महिला नसबंदी के लिए लाभार्थी को 2000 रुपये एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपये दिया जाता है।

पुरुष नसबंदी है सरल एवं सुरक्षित

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केएन सिन्हा बताते हैं कि पुरुष नसबंदी महिला नसबंदी की तुलना में काफी आसान और सुरक्षित प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया बिना चीरा एवं टांके के मात्र आधे घंटे से कम समय में ही हो जाती है। उसके बाद लाभार्थी आराम से घर जा सकते हैं। विभाग की तरफ से जिले के सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों पर पुरुष नसबंदी की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है। चूंकि एक महिला पर घर और बच्चों की जिम्मेदारी भी होती है। इसलिए नसबंदी कराने के बाद आवश्यक शारीरिक आराम उसे मिल पाने की संभावनाएं कम होती हैं। इसलिए पुरुषों की ये नैतिक जिम्मेदारी भी है कि वह आगे बढ़ कर नसबंदी को अपनाएं।

दंपति सपर्क सप्ताह का भी होगा आयोजन

जारी पत्र में बताया गया है कि जिले में 14 से 20 नवंबर तक दंपति संपर्क सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। परिवार नियोजन के साधनों के इस्तेमाल की जिम्मेदारी 15 से 49 साल तक की योग्य दंपतियों के कंधे पर ही होती है। इसके लिए जिले में योग्य दंपतियों की सूची तैयार की जाएगी। जिला स्तरीय पदाधिकारी के नेतृत्व में योग्य दंपतियों की सूची के अनुसार आशा एवं एएनएम गृह भ्रमण कर परिवार नियोजन के साधनों के बारे में जानकारी देंगी एवं कंडोम के साथ गर्भनिरोधक गोली भी वितरित करेंगी। इसके अलावा योग्य दंपतियों द्वारा चयनित परिवार नियोजन उपाय जैसे कॉपर टी, अंतरा इंजेक्शन, महिला एवं पुरुष नसबंदी की सुविधा स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध कराने की लिए लाभार्थियों का पंजीकरण भी किया जाएगा।

महाजाम ने ले ली ट्रक चालक की जान, जाम के कारण नहीं हो सका इलाज

अमानवीय : 27 घंटे तक जाम में फंसा रहा तबियत बिगड़ने पर किसी ने नहीं की मदद

- अरवल से बालू लेकर यूपी के गाजीपुर जाने के दौरान कुल्हड़िया हाई स्कूल के समीप हुई घटना
- शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद छानबीन में जुटी पुलिस
- बड़ा सवाल - प्रतिदिन लगता है जाम, ट्रक चालक की मौत का जिम्मेवार कौन

पुलिस के साथ खलासी व इनसेट में मृतक चालक

केटी न्यूज/आरा

जिले में फोरलेन पर महाजाम में फंसे यूपी के एक ट्रक चालक की मौत हो गयी। तबीयत बिगड़ने और भीषण जाम की वजह से इलाज नहीं होने से उसकी जान चली गयी। कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया हाई स्कूल के समीप बुधवार की सुबह ट्रक में उसने दम तोड़ दिया। मृत चालक उत्तर प्रदेश के कबीर नगर जिला के बखिरा थाना क्षेत्र के बखिरा खास संत कबीर नगर निवासी रामसिंह दादरा का 25 वर्षीय पुत्र अभिषेक सिंह था। ट्रक के खलासी की सूचना पर पहुंची कोईलवर थाने की पुलिस द्वारा शव? का पोस्टमार्टम कराया गया। ट्रक के खलासी राहुल ने बताया कि मंगलवार की सुबह वो लोग अरवल जिला से ट्रक पर बालू लोड कर यूपी के गाजीपुर जा रहे थे। इस दौरान कुल्हड़िया में जाम में फंस गए। लगभग 27 घंटे तक जाम में फंसे रहे। उसी बीच चालक की तबीयत बिगड़ गयी। जाम होने के कारण वह उसका इलाज नहीं करा पाया। उसने जाम में साथ रहे अन्य ट्रक के चालकों से भी निवेदन किया कि लेकिन उसकी बात किसी ने नहीं सुनी। उल्टे एक ट्रक चालक ने दो थप्पड़ भी जड़ दिया।

कुलहड़िया पहुंचने से पहले ही चली गई जान

उसके बाद वह ट्रक को लेकर जैसे तैसे कुल्हड़िया हाई स्कूल तक लेकर आया।
जहां उसने चालक को चाय पानी और दवा के लिए उठाने की कोशिश करने लगा। लेकिन, वह कोई उत्तर नहीं दिया। जब उसने गौर से देखा को वह मर चुका है। उसके बाद उसने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। राहुल की मानें तो तबीयत खराब होने और जाम में फंस जाने के कारण चालक की मौत होने की बात हुई है। इधर, पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार चालक की मौत बीमारी हालत में ट्रक चलाने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।
बताते चलें दें कि मंगलवार को आरा-पटना, आरा-छपरा फोरलेन और नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाईवे सहित अन्य सड़कों घंटों महाजाम लगा हुआ था।

आए दिन लगता है जाम, जिम्मेवार कौन

आरा-पटना और आरा-छपरा की सड़कों पर आए दिन जाम लगता रहता था। पूर्व में भी यह हालत लगी रहती थी। लेकिन, फोर लेन चालू होने के बाद भी स्थिति यथावत बनी रह रही है। इसके जिम्मेवार सब कुछ देखकर भी मौन हैं। फिलहाल बड़ा सवाल यह है कि ट्रक चालक की मौत किस कारण हुई यह जांच का विषय है।

खेलने के दौरान छत से गिरी बच्ची और चली गयी जान, घर में मचा कोहराम

- रेलिंग के किनारे खड़े होकर झांकने के दौरान हुआ हादसा

केटी न्यूज/आरा

जिले के पीरो थाना क्षेत्र के पीरो गांव में बुधवार की सुबह दो मंजिलें से गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृत बच्ची पीरो वार्ड नंबर 17 निवासी सुनील कुमार की 6 वर्षीया पुत्री सीता कुमारी थी। उसके पिता सुनील कुमार ने बताया कि बुधवार की सुबह जब घर के सभी लोग काम कर रहे थे। उसी दौरान वह छत पर चली गई थी। छत की रेलिंग काफी नीचा है। इस कारण वह रेलिंग के किनारे आकर झांकने लगी। उसी दौरान वह असंतुलित होकर अचानक से सीधा नीचे गिर गई। उसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसके बाद इलाज के लिए उसे आनन-फानन में पीरो अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।?आरा सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराये शव लेकर घर चले गए। बताया जाता है कि बच्ची अपने दो बहन और एक भाई में दूसरे स्थान पर थी। उसके परिवार में मां सोनी देवी, बहन शिल्पा और भाई सुशील है। घटना के बाद उसके घर में हाहाकार मच गया है। मां सोनी देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डीजे संचालक की हत्या में दूसरा आरोपित धराया, अन्य की तलाश में छापेमारी जारी

- पांच लोगों के खिलाफ दर्ज करायी गयी थी प्राथमिकी, एक पहले ही जा चुका है जेल
- बकाये 14 हजार रुपये के विवाद में गोली मार की गयी थी हत्या

केटी न्यूज/आरा

जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के कुरकुरी गांव निवासी डीजे संचालक छोटू कुमार की बकाये पैसे के विवाद में हत्या की गयी थी। हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने इस मामले में दूसरे आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया है। वह गड़हनी थाना क्षेत्र के ही विशंभरा गांव के हाकिम यादव का पुत्र मुलायम यादव है। इस मामले में पुलिस द्वारा पहले प्रशांत कुमार उर्फ प्रिंस नामक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया था। एसपी संजय कुमार सिंह ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच नवंबर की शाम कुरकुरी गांव में गोली मार छोटू कुमार की हत्या कर दी गयी थी। हत्या का खुलासा और आरोपितों की गिरफ्तारी को एएसपी हिमांशु के नेतृत्व एक टीम गठित की गयी थी।

छानबीन के दौरान टीम द्वारा तकनीकी जांच और पूछताछ के जरिए मुलायम यादव को गिरफ्तार कर लिया। मुलायम यादव से पूछताछ के बाद एसपी ने बताया कि उसका उसका छोटू कुमार के पास 14 हजार रुपए बकाया था। उसके बदले मुलायम यादव द्वारा छोटू का जेनरेटर रख लिया गया था। उसको लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इस बीच पांच अक्टूबर को मुलायम यादव द्वारा फोन पर छोटू कुमार को शिवमंदिर के पास बुलाया गया था। वहां गोली मार उसकी हत्या कर दी गयी थी। एसपी ने बताया कि घटना में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही है। टीम में अगिआंव अंचल निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, गड़हनी थानाध्यक्ष संतोष कुमार रजक, नारायणपुर थानाध्यक्ष नीता कुमारी, संदेश थानाध्यक्ष दीपक झा और गड़हनी थाने के दारोगा कुमार गौरव शामिल थे।

गोली मार भागने के दौरान पकड़ा गया था स्कॉर्पियो व बाइक की गयी थी जब्त

बता दें कि कुरकुरी गांव में शनिवार को शाम करीब 5 बजे डीजे संचालक छोटू की गोली मार हत्या कर दी गयी थी। उसके बाद ग्रामीणों द्वारा भाग रहे एक आरोपित को पकड़ लिया गया था। मौके से एक स्कॉर्पियो और दो बाइक जब्त की गयी थी। घटना से आक्रोशित भीड़ द्वारा पकड़े गए आरोपित की जमकर धुनाई कर दी गयी थी। उसके बाद पुलिस को सौंप दिया गया था। गिरफ्तार आरोपित उदवंतनगर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव निवासी प्रशांत कुमार उर्फ प्रिंस था। इस मामले में छोटू कुमार के दादा जगलाल सिंह के बयान पर पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। उसमें विशंभरा निवासी मुलायम यादव, नीतीश कुमार, दुलारपुर गांव निवासी विशाल कुमार, उदवंतनगर थाना क्षेत्र के डेम्हा गांव निवासी सोनू कुमार और श्रीरामपुर गांव निवासी प्रशांत कुमार उर्फ प्रिंस को नामजद किया गया है। कुछ अज्ञात को भी आरोपित किया गया है।

छोटी खबरें

उपमुख्यमंत्री के जन्मदिन पर राजद कार्यकताओं ने किया रक्तदान

जहानाबाद। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के जन्मदिन पर बुधवार को जिले के राजद कार्यकताओं के द्वारा सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजद के जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि के तौर स्थानीय सांसद चन्देश्वर प्रसाद चन्द्रवंशी, प्राकक्लन समिति के सभापति सह मनेर विधायक भाई वीरेन्द्र, जहानाबाद विधायक कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव, घोसी विधायक रामबली सिंह यादव, मखदुमपुर विधायक सतीश दास एवं प्रधान महासचिव परमहंस राय मौजूद थे। रक्तदान करने वालों में पैक्स अध्यक्ष सह राजद नेता सुरेश यादव, पैक्स अध्यक्ष सह राजद नेता सूर्यदेव यादव, काको प्रखंड अध्यक्ष रंजीत पासवान, युवा राजद नेता नागेन्द्र मेहता, विधायक प्रतिनिधि रंजीत कुमार, सत्येन्द्र कुमार, पिन्टू कुमार उर्फ छोटू यादव, शाश्वत कुमार सोनू सहित दर्जनों लोग शामिल हैं। इधर जहानाबाद 216 विधानसभा क्षेत्रीय कार्यालय में तेजस्वी यादव के 33वें जन्मदिन पर स्थानीय विधायक कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव ने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ केक काटकर धूमधाम से उनका जन्मदिन मनाया। विधायक श्री यादव ने तेजस्वी यादव के दीघायु होने की कामना की। इस मौके पर पप्पु मल्लिक, अरमान मल्लिक, अमरजीत उर्फ छोटू, राजा यादव, मनोज यादव, उमेश यादव, धनेश यादव, आलोक कुमार सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

बनौली लूट कांड में आरोपित गिरफ्तार मोटरसाइकिल भी बरामद

आरा। जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के बनौली मोड़ के पास जुलाई में बाइक लूट कांड में पुलिस ने फिर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। वह तरारी थाना क्षेत्र के डिलिया गांव का रहने वाला मिथिलेश कुमार सिंह उर्फ पिंकी राज का पुत्र लव कुमार उर्फ बरू है। उसकी निशानदेही पर लूटी गयी बाइक भी बरामद कर ली गयी है। इस मामले में पुलिस द्वारा अबतक चार आरोपित आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसपी संजय कुमार सिंह ने बताया कि 15 जुलाई की देर शाम सहार के सेवथा गांव निवासी राहुल कुमार आरा से बाइक से गांव लौट रहा था। तभी खैरा-सहार रोड पर बनौली मोड़ के पास पिस्टल के बल पर उसकी बाइक, मोबाइल और पैसे छीन लिया गया था। उसके बाद अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पीरो एसडीपीओ राहुल सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी थी। टीम द्वारा तकनीकी जांच के आधार पर अबतक घटना में शामिल चार लुटेरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उसी क्रम में मंगलवार की रात डिलिया निवासी लव कुमार उर्फ बरू को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर लूटी गयी बाइक भी बरामद कर ली गयी। टीम में थानाध्यक्ष नीता कुमारी, एएसआई रामयश आर्य और डीआईयू के दारोगा सुदेह कुमार शामिल थे।

फिरौती के लिए ठेकेदार को अगवा करने में दूसरा वांटेड गिरफ्तार

आरा। बनारस में रहने वाले ठेकेदार को फिरौती के लिए रोहतास से अपहरण करने के मामले में भोजपुर पुलिस द्वारा दूसरे वांटेड को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अमेहता गांव निवासी बबलू तिवारी है। उसे मंगलवार की रात अमेहता गांव से ही गिरफ्तार किया गया। एसपी संजय कुमार सिंह ने बताया कि रोहतास निवासी ठेकेदार अमित पांडेय को अगवा कर अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अमेहता गांव स्थित खंडहरनुमा में रखा गया था। छह नंबर को ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा उसे बरामद किया गया था। मौके से एक अपहरणकर्ता को भी गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से एक देसी पिस्टल और दो गोली बरामद की गयी थी। घटना में छह लोगों की संलिप्तता सामने आयी थी। उस आधार पर एक टीम बना आरोपितों की गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही थी। उसी क्रम में मंगलवार की रात अमेहता गांव निवासी बबलू तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा नेता हत्या के आरोपित पर कसा शिकंजा, पुलिस ने की कुर्की-जब्ती

केटी न्यूज/आरा

जिले के करनामेपुर ओपी क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी चर्चित कमल किशोर हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपितों के खिलाफ पुलिस का एक्शन शुरू हो गया है। इस मामले में पुलिस द्वारा बुधवार को आरोपित उमाशंकर मिश्रा के घर की कुर्की की गयी। कोर्ट के आदेश पर जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस आरोपित के घर पहुंची और उसके घर का सारा सामान जब्त कर लिया गया। पुलिस द्वारा उसके घर से कुर्सी, पलंग बिछावन और बर्तन आदि सामान जब्त किया गया। उस दौरान घर के खिड़की दरवाजे तक पुलिस उखाड़ ले गयी। एसपी संजय कुमार सिंह की ओर से कुर्की किये जाने की जानकारी दी गयी। पुलिस के अनुसार हाईकोर्ट के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की गयी। बताया जा रहा है कि 28 सितंबर 2818 की सुबह करनामेपुर गांव में पसल लेकर लौट रहे कमल किशोर मिश्रा को गोलियां से भून दिया गया था। उसे लेकर गांव के ही किशुन मिश्रा, ब्रजेश मिश्रा और उमाशंकर मिश्रा सहित पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी।

छिपी प्रतिभाओं की पहचान के लिए युवा महोत्सव का हुआ आगाज

- दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव में होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं
- विजेताओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मिलेगा मौका

कार्यक्रम का उद्घाटन करते जनप्रतिनिधिगण, डीएम व अन्य

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिले में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव, 2022 का का आगाज हो चुका है। जिसका उद्घाटना बुधवार को स्थानीय अब्दुलबारी नगर भवन में सांसद चन्देश्वर प्रसाद, विधायक कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव, घोषी विधायक रामबली सिंह यादव, मखदुमपुर विधायक सतीश कुमार, जिलाधिकारी रिची पाण्डेय, उप विकास आयुक्त परितोष कुमार एवं एसडीओ मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सांसद का स्वागत पौधा देकरकिया। साथ हीं, उप विकास आयुक्त ने सभी माननीय विधायक का स्वागत पौधा देकर। इस दौरान जल-जीवन- हरियाली का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में गांधी स्मारक उच्च विद्यालय, जहानाबाद के छात्राओं द्वारा स्वागत गान से आगत अतिथियों का स्वागत किया गया। साथ हीं जिला युवा महोत्सव के अवसर पर बिहार गान की प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर प्रस्तुति के दौरान सभा में उपस्थित स ा भ ा ी माननीयगण/पदाधिकारीगण/प्रतिभागी एवं दर्शकों ने खड़े होकर अपनी सहभागिता दर्ज करते हुए बिहार की धरती के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

कला संस्कृति एवं युवा विभाग के तत्वावधान में अयोजित इस युवा महोत्सव में प्रतिभागियों को अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन देने का आह्वान किया गया। ताकि, जिले को राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले युवा महोत्सव में शीर्ष स्थान प्राप्त हो सके और राष्ट्र स्तर पर आयोजित होने वाले युवा महोत्सव में जहानाबाद जिला कला एवं संस्कृति में अपना उत्कृष्ट योगदान देकर परचम लहरा सके। विभाग की ओर से कई विद्याओं में प्रतियोगितात्मक समारोह का आयोजन ग्रामीण स्तर तक छिपी प्रतिभा को देश के सामने लाने के लिए किया जाता है। सभी प्रतिभागियों से अपने कला के माध्यम से जिले एवं राज्य की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढाने का भी आवाहन किया गया। यह महोत्सव जिले से उत्कृष्ट कलाकारों का चयन करने के लिए किया जा रहा है ताकि जहानाबाद जिले में व्याप्त कला को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।

एक नजर

खेत में लगे मोटर पंप की चोरी

डुमरांव। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवां गांव के बधार से बीती रात चोरों ने खेत में लगे एक मोटर पंप को चुरा लिया है। चोरी गया मोटर पंप स्थानीय गांव निवासी व पेशे से अधिवक्ता सुधीर कुमार सिंह का है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि खेतों की सिंचाई के लिए वे मोटर पंप लगवाए थे। रात में अज्ञात चोरों ने उनके बोरिंग वाले रूम का ताला तोड़ मोटर चुरा लिया है। इस घटना से वे काफी आहत है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली चोरी में पांच पर मामला हुआ दर्ज

सिमरी। तिलक राय के हाता ओपी क्षेत्र अंतर्गत दली के डेरा गांव में बिजली कंपनी के अधिकारियों द्वारा बिजली चोरी करने वाले कुल पांच लोगों को चिन्हित किया गया। चिह्नित किए गए लोगों पर जुमार्ना लगाते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ओपी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कनीय अभियंता रौनक राज के द्वारा बिजली चोरी के मामले में गोपाल यादव 25279, निर्मल यादव 25279, बबन यादव 25279, अजय यादव 25279, पप्पू यादव 25279 रुपये की जुमार्ना के साथ प्राथमिकी दर्ज किया गया है। कंपनी की इस कार्रवाई के बाद बिजली चोरों में हड़कंप मच गया है।

आरक्षित टिकट के लिए परेशान हो रहे यात्री

बक्सर। पर्व त्योहारों के बीतने के एक सप्ताह बाद भी ट्रेनों में भीड़ कम नहीं हुई है। बल्कि हर दिन टिकट नहीं मिलने से सैकड़ो यात्रियों को निराश हो स्टेशन से लौटना पड़ रहा है। दीपावली व छठ को देखते हुए रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेने भी चलाई गई है। लेकिन अभी तक ट्रेनों में भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। स्थानीय रेलवे स्टेशन के साथ ही डुमरांव रेलवे स्टेशन भी पूरे दिन यात्रियों की भीड़ लगी रहती है। सबसे अधिक भीड़ आरक्षण काउंटरों में उमड़ रही है। खासकर तत्काल टिकट के समय यात्रियों के बीच आपाधापी मच जा रही है। रेलवे सूत्रों की मानें तो अभी भी दिल्ली, पंजाब, बंगाल तथा गुजरात के औद्योगिक शहरों को जाने वाली टेज्नों में लंबी वेटिंग चल रही है।

अंधेरे में डूबा रहता है जंगलीनाथ शिवमंदिर मार्ग

डुमरांव। नगर के चर्चित जंगलीनाथ शिवमंदिर का मार्ग शाम ढलते ही अंधेरे में डूब जा रहा है। इस मार्ग में लगाए गए स्ट्रीट लाइट लंबे समय से खराब पड़े है। नप प्रशासन द्वारा उन लाइटों की मरम्मत नहीं कराए जाने से इस मार्ग में अंधेरा पसरा रहता है। जबकि मन्नतें पूरी करने के लिए विख्यात तथा शहर से दूर एकांत व शांत क्षेत्र में बने इस मंदिर में हर दिन सुबह व शाम सैकड़ो श्रद्धालु दर्शन व पूजन करने आते है। शाम ढलने के बाद मंदिर पथ में अंधेरा छाने से पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें सांप व बिच्छू जैसे विषैले जंतुओं का भय भी बना रहता है।

प्रचार-प्रसार के माध्यम से महिलाओं को स्तन कैंसर के प्रति किया जाएगा जागरूक

- ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी के अभाव के कारण लंबे समय तक स्तन कैंसर से जूझती हैं महिलाएं
- फ्रंट लाइन वर्कर्स महिलाओं और पुरुषों को कैंसर के स्व परिक्षण की देंगी जानकारी
- 14 नवंबर तक सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में चलाया जाएगा कैंसर जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/ बक्सर

कैंसर की जानकारी देती सीएचओ प्रियंका कुमारी

शहरी हो या ग्रामीण, दोनों इलाकों में आज भी कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता और जानकारी की कमी है। जानकारी के अभाव और लक्षणों की पहचान न होने के कारण लोग लंबे समय तक इस भयंकर बीमारी से जूझते रहते हैं। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तब वो जांच और इलाज के लिए आगे आते । लेकिन, कैंसर जैसी भयानक बीमारी को समय पर जांच और उचित इलाज से ही दूर किया जा सकता है। जिसके लिए जिले के लोगों का जागरूक होना जरूरी है। हालांकि, इसके लिए समय समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। परंतु, अब इस अभियान को वृहद् रूप देते हुए, इसमें जन सहभागिता बढ़ाने की जरूरत है। ताकि, लोग कैंसर के प्रति जागरूक होने के साथ लक्षणों की पहचान करने में सक्षम हो सकें।

महिलाओं में अधिकांश मामले स्तन कैंसर से जुड़े : नावानगर प्रखंड स्थित कड़सर पंचायत की आशा फैसिलिटेटर दुर्गा देवी ने बताया, पुरुषों की बात करें, तो उनमें ज्यादातर मुंह के कैंसर की शिकायत होती है। लेकिन, महिलाओं में अधिकांश मामले स्तन कैंसर से जुड़े होते हैं। ग्रामीण माहौल होने के कारण कई बार महिलाएं शर्म या लाज के कारण इसकी चर्चा नहीं करतीं। वहीं, कई मामलों में इसे महिलाएं अनदेखी कर देती हैं। लेकिन, जब स्थिति खराब होने लगती तो वो संपर्क करती हैं। इसलिए, विभाग द्वारा आशा फैसिलिटेटर को कैंसर के विभिन्न प्रकारों के स्व परिक्षण करने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसके बाद कड़सर पंचायत की सभी आशा कार्यकताओं को इसकी जानकारी दी गई है। अब सभी आशा कार्यकर्ता अपने अपने संबंधित क्षेत्र में लोगों को कैंसर के स्व परिक्षण की जानकारी देंगी।

जागरूकता सत्र के साथ जांच शिविर का हो रहा आयोजन : कड़सर पंचायत स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सीएचओ प्रियंका कुमारी ने बताया, जिला मुख्यालय से मिले निर्देश के तहत एचडब्ल्यूसी अंतर्गत सभी गांव के लोगों को जागरूक करने के लिए सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी कैंसर के प्रकार, उनके लक्षण, इलाज और बचाव की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, सेंटर पर जांच शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पुरुषों और महिलाओं में कैंसरों के लक्षणों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में आयोजित शिविर में पांच स्तन कैंसर की लक्षण वाली मरीज मिली हैं। जिनको उचित जांच और इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया गया है।

जागरूकता के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान : जिला गैर संचारी रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया, समय की मांग को देखते हुए सरकार ने लोगों को जागरूक करने की तैयारी की है। जिसके मद्देनजर सात से 14 नवंबर तक जिले में सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ताकि, शहरी के साथ ग्रामीण इलाकों में भी लोगों को कैंसर के लक्षण व उसके प्रकार की जानकारी हो सके। तभी वो लक्षणों की पहचान कर अपना इलाज कराने के लिए आगे आएंगे। साथ ही, जिले में महिलाओं को जागरूक करने के लिए स्तन कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

रुपयों से भरा बैग छीन कार से भाग रहा था उचक्का, लोगों ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

- सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस, लोगों से छुड़वाने के बाद थाने में की पूछताछ
- गिरफ्तार उच्चका मोतिहारी का है निवासी, साथियों की तलाश में जुटी पुलिस
- घटना स्थल से पुलिस ने कार को किया जब्त, छापेमारी जारी

केटी न्यूज/डुमरांव

उचक्के को पकड़े युवक

बुधवार को नगर के राजगढ़ परिसर स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक परिसर से 45 हजार रुपये निकाल अपने घर जाने के लिए बैंक से नीचे उतरी एक महिला के पैसे से भरा बैग छिन एक उचक्का भागने लगा। उसके कुछ साथी कार से थे तथा उसे लेकर शहर के बाहर निकलना चाह रहे थे। हालांकि मौके पर उपस्थित उसके पुत्र के शोरगुल के बाद लोगों ने तत्काल उसका पीछा किया। उचक्के कार से भाग रहे थे। लेकिन स्थानीय लोगों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। इस दौरान गड़ेरी टोला मोहल्ला के पास एक उचक्का लोगों की पकड़ में आ गया। लोग उसकी पिटाई करने लगे। इसी दौरान मौके पर पहुंचे डुमरांव थानाध्यक्ष बिदेश्वर राम ने उसे लोगों के चंगुल से छुड़ा थाना लेकर पहुंचे। गिरफ्तार उचक्के ने अपना परिचय मोतीहारी जिले के भगवतियां गांव के रमेश साह के रूप में दिया है। पुलिस ने मौके से एक कार को भी बरामद किया है। पुलिस की मानें तो उसके गिरोह में तीन और युवक भी थे। जो भाग निकले है।

उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वहीं बरामद कार के कागजातों की जांच भी की जा रही है। पीड़ित महिला नगर के चतुरशालगंज निवासी मोतीलाल पासी की पत्नी शांति देवी है। मिली जानकारी के अनुसार बनारस में उसका इलाज चल रहा है। वह इलाज के लिए ही पैसा निकालने आई थी। गौरतलब है कि बैंक उपभोक्ताओं पर अक्सर उचक्कों की नजर रहती है। थानाध्यक्ष बिदेश्वर राम ने कहा कि बैंक परिसरों की सुरक्षा और बढ़ाई जाएगी।

चलेगा विशेष अभियान : इस संबंध में एसपी नीरज कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे गिरोहों की पहचान तथा धरपकड़ के लिए पुलिस विशेष अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि सभी थानों को ऐसा निर्देश दिया गया है।

पहले भी हो चुकी है कई घटनाएं

डुमरांव में सरेआम पैसा छिन भागने की पहले भी कई घटनाएं हो चुकी है। कई बार तो उचक्के भागने में सफल भी हो जाते है जबकि कभी कभी वे लोगों के हत्थें भी चढ़ जाते है। इसके पहले स्टेट बैंक के पास से भी एक उपभोक्ता का पैसा छिन भाग रहे कोढ़ा गिरोह के उचक्के को भी स्थानीय लोगों ने पकड़ा था। जबकि विभिन्न बैंकों के पास उचक्कई तथा चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है। वही इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि उचक्के दूर दराज से आते है ताकी उन्हें कोई पहचान नहीं सके। वैसे सूत्रों की मानें तो ऐसे उचक्कों का एक मजबूत गिरोह भी है जो आस पास के क्षेत्रों में पहले अपना डेरा जमाते है वहा की भौगोलिक स्थिति से परिचित होने के बाद घटनाओं को अंजाम देते है। सूत्रों की मानें तो शहर के कई मकानों में भी ऐसे उचक्के बतौर किराएदार बन शरण लेते है।

छोटी खबरें

वीर कुंवर सिंह सेतु से नीचे गिरी दवा लदी पिकअप वाहन, चालक जख्मी

बक्सर। जिला मुख्यालय के सारीमपुर गंगा पर बने वीर कुंवर सिंह सेतु से बुधवार को पशुओं की दवा लदी एक पिकअप वाहन पुल से नीचे गिर गया। इस घटना में चालक को मामूली चोट आई है। लेकिन चालक ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगा दिए है। चालक ने कहा कि बक्सर में प्रवेश के साथ ही पुलिस ने उसके वाहन की जांच पड़ताल की। इस दौरान किसी तरह की शिकायत नहीं मिली बावजूद वहां उपस्थित पुलिसकर्मी खर्चा पानी मांग रहे थे। चालक नहीं देना चाह रहा था। जिसके बाद पुलिस तथा चालक के बीच हल्की नोंक झोंक भी हुई। चालक ने बताया कि इसी नोंक झोंक में वाहन पुल से नीचे गिर गया। संयोग बढ़िया था कि उस दौरान पुल के नीचे कोई आदमी या वाहन नहीं था। नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। मिली जानकारी के अनुसार पंजाब से पशुओं की दवा लेकर एक पिकअप चालक पटना जा रहा था। सुबह करीब साढ़े दस बजे वह भरौली से गंगा ब्रिज को पार कर बक्सर की सीमा में प्रवेश किया। इसी दौरान पुल पर ही पुलिस व चालक के बीच अवैध वसूली को लेकर विवाद हो गया। इसी बीच वाहन नीचे गिर गया। हालांकि चालक ने किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई है। जबकि नगर थानाध्यक्ष दिनेश मालाकार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वहां उत्पाद विभाग की टीम मौजूद थी। वहीं, उत्पाद विभाग के प्रभारी ने बताया कि वहां नगर परिषद की टीम टैक्स की वसूली कर रही थी। जबकि चालक मूसा ने वहां मौजूद पुलिस कर्मियों पर ही आरोप लगाए थे।

भाकपा ने कॉमरेड कविलाश राम का 34वां शहादत दिवस मनाया

डुमरांव। बुधवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के दिग्गज एवं क्रांतिकारी नेता रहे शहीद कबिलाश राम का 34वां शहादत दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम उनके पैत्रिक स्थान पर मनाया गया। कविलाश राम के जीवन, संघर्षों तथा योगदान के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए नगर सचिव कॉमरेड शमीम मंसूरी ने बताया कि कबिलाश राम भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बहुत बडे.नेता थे। वे गरीब मजबूर और दबे कुचले लोगों के लिए हमेशा खड़े रहते थे। उनकी कमी हमेशा पार्टी को खलती रहेगी। कबिलाश राम अमर रहे के नारों के साथ उन्होंने अपनी बातों को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि वे सदैव संगठन को मजबूत बनाने तथा पूंजीवाद, संप्रदायवाद व मनूवाद के खिलाफ संघर्ष करते रहे। वे कई सफल आंदोलनों में शामिल हुए थे। मौके पर कॉमरेड कबिलाश राम की पत्नी पूर्व पार्षद राम प्यारी देवी, उनके पुत्र अखिलेश प्रसाद, सत्यनारायण प्रसाद, अंचल सचिव कॉमरेड सुदामा चौधरी, नागेन्द्र मोहन सिंह, सिमरी जिला परिषद सदस्य केदार सिंह यादव, शिव शंकर सिंह, सीता राम, हरी प्रसाद, सुरेन्द्र सिंह, महगु चौधरी आदि लोग मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में जख्मी सिपाही की मौत

बक्सर। सड़क दुर्घटना में एक सिपाही की मौत हो गई है। घटना सोमवार देर रात की है। जिसके बाद पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि दुर्घटना दो दिन पूर्व थाना क्षेत्र के बक्सर -इटाढ़ी मार्ग स्थित हुकहां गांव के समीप हुई थी। सिपाही जब अपनी ड्यूटि पूरी कर घर जा रहा था, उसी दौरान बोलेरो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों के द्वारा सूचना मिलने पर पुलिस उसे इलाज के लिए सदर अस्पातल लेकर आई। हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे वराणसी ट्रामासेंटर रेफर कर दिया था। जहा इलाज के दौरान सोमवार की देर रात मौत हो गई। वहीं, दुघर्टना के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। एसपी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि शहीद सिपाही रोहतास जिला निवासी विक्रांत भारती है। वह एसपी कार्यालय में तैनात था। ड्यूटि से लौटने के दौरान वह हादसें का शिकार हो गया। उन्होंने कहा कि बोलेरो चालक की पहचान की जा रही है।

माले नेता के प्रयास से डुमरांव के अग्निपीड़ित महादलित परिवारों को मिली राहत

डुमरांव। रविवार रात साफाखाना रोड स्थित महादलित बस्ती में आगलगी की घटना में तीन झोपड़ियों समेत हजारों की संपत्ति जल गई थी। इस घटना के बाद तीनों परिवारों के घरों में रखे अनाज, कपड़े समेत सारा सामान जल गया था। जिसके बाद पीड़ित परिवार सामाजिक आसरे का मोहताज हो गया था, लेकिन माले नेता संजय शर्मा के प्रयासों से अग्निपीड़ितो को बड़ी राहत मिली है। माले नेता ने तत्काल इस घटना की सूचना सीओ को दे उन्हें राहत देने की मांग की थी। बुधवार को डुमरांव सीओ अंकिता सिंह ने अग्निकांड के पीड़ितों अनंत मुसहर, मुन्ना मुसहर व हरेंद्र मुसहर को 9800-9800 रुपये के साथ ही एक एक तिरपाल मुहैया कराया है। मुआबजे की राशि मिलने से इस मुश्किल परिस्थिति से गुजर रहे महादलितों को बड़ी राहत मिली है। इस प्रयास के लिए महादलितों द्वारा माले नेता के प्रति अभार भी जताया गया। वहीं, सीओ के त्वरित कार्रवाई की चर्चा भी हो रही है। माले नेता संजय शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वे बस्ती में पहुंच घटना की विस्तृत जानकारी ले सीओ तथा स्थानीय पुलिस को दिया था। जिसके बाद उन्हें मुआबजा मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

विधिक जागरूकता शिविर में दिव्यांगों के बीच ट्राइसाइकिल का हुआ वितरण

- विधिक सेवा प्राधिकार व नालसा ने आयोजित किया मेगा विधिक जागरूकता शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

शिविर में शामिल

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना एवं नालसा के निर्देश पर पैन इंडिया जागरूकता कार्यक्रम व्यवहार न्यायालय बक्सर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में मेगा विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अंजनी कुमार सिंह जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बक्सर ने की।

जिला न्यायाधीश द्वारा सरवन यादव, नथुनी यादव, राजकुमार गुप्ता, जैसन अंसारी व ताराचंद चौहान को ट्राई साइकिल व अन्य समान दिया गया। उन्होंने कहा कि 9 नवम्बर राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस समाज के वंचित वर्ग के लोगों को निःशुल्क न्याय प्राप्ति के लिए सहायता एवं समर्थन जुटाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन की शुरूआत भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 1995 में समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को सहायता और सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी। उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम में प्रदर्शनी लगाने का मुख्य उद्देश्य विधिक सेवा सदन में एक छत के नीचे केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं व विधिक सेवा के उद्देश्य के बारे में लोगों को जानकारी प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में धर्मेंद्र कुमार तिवारी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा विधिक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न स्थानों चौक चौराहों पर जाकर विधिक सेवा के उद्देश्य एवं उसके लाभ के बारे मे लोगों को बताएंगे। मौके पर व्यवहार न्यायालय बक्सर के न्यायाधीश जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बबन ओझा सचिव बिंदेश्वरी पांडेय पैनल अधिवक्ता पारा विधिक स्वयंसेवक कार्यालय कर्मचारी आदि मौजूद रहें।

बक्सर में 750 ग्राम हेरोईन के साथ तस्कर गिरफ्तार, चार पहिया वाहन जब्त

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के मुफस्सिल थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के जासो रोड से गुप्त सूचना पर 750 ग्राम हेरोईन के साथ मादक पदार्थों के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से एक कार को भी जब्त किया है। जबकि उसके अन्य साथी भागने में सफल रहे है। गिरफ्तार तस्कर के स्वीकारोक्ति के आधार पर फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बरामद हेरोईन की कीमत 15 लाख रुपये के करीब है। जानकारों का कहना है कि स्थानीय बाजार में एक ग्राम हेरोईन की कीमत दो हजार रुपये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत कई गुना बढ़ जाती है। मिली जानकारी के अनुसार मादक पदार्थों के तस्कर हेरोईन की खेप को खुदरा तस्करों तक पहुंचाने आए थे। इसी दौरान स्थानीय पुलिस को इसकी भनक लग गई। पुलिस ने मौके पर छापेमारी कर एक तस्कर को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एसपी नीरज कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ के आधार पर उसके नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। गौरतलब है कि बक्सर के कई थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थो के तस्कर सक्रिय है। राजपुर के साथ ही डुमरांव, कोरानसराय, कृष्णाब्रह्म आदि थाना क्षेत्रों में अक्सर मादक पदार्थों के साथ तस्कर गिरफ्तार होते है। जो इस बात की पुष्टि करता है कि जिले में मादक पदार्थों का कारोबार फल फूल रहा है।

ईडब्ल्यूएस पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सवर्ण गरीबों ने सराहा

- राजपुर प्रखंड के ग्रामीणों जाहिर की खुशी, दी अपनी प्रतिक्रिया
- कहा- आर्थिक कमजोर लोगों को मिलना चाहिए आरक्षण का लाभ

केटी न्यूज/राजपुर

माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा गरीब सवर्णों का दस प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को केन्द्र सरकार के फैसले को सही ठहराने के प्रखंड क्षेत्र के सवर्णों में खुशी व्याप्त है। सवर्णों ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि सवर्ण जातियों में भी कई लोग गरीबी की रेखा से नीचे गुजर बसर कर रहे है। उनके लिए सरकार द्वारा न तो कोई योजना ही चालाई जाती है और न ही किसी तरह का लाभ मिल पाता है। जबकि आर्थिक स्थिति खराब होने से उन्हें दो वक्त की रोटी के जुगाड़ से लेकर, बच्चों की पढ़ाई तथा दवाई जैसी जरूरी आवश्यकताएं भी बाधित होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि आर्थिक आधार पर कमजोर लोगों को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। अभी भी सवर्णों में कई ऐसे लोग है जिनके पास रहने के लिए अपना घर नहीं है। वह बीपीएल सूची में भी आते हैं। ऐसे लोगों को सरकार के तरफ से 10 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। सरकारी नौकरी या अन्य क्षेत्रों में भी उन्हें इस आरक्षण का लाभ मिलने से उनके हालात में सुधार होगा। कोर्ट ने जो फैसला दिया है, वह काफी स्वागत योग्य है।

लोगों ने कहा

ददुरा निवासी मोहन दूबे ने कहा कि माननीय सुप्रिम कोर्ट ने जो फैसला दिया है वह स्वागत योग्य है। आर्थिक आधार पर कमजोर लोगों को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

राजपुर निवासी मनोज त्रिगुण की मानें तो सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सवर्ण आरक्षण के मुद्दे पर जो फैसला सुनाया है यह काफी सराहनीय है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के सवर्ण जाति के बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं सहित कई क्षेत्रों में लाभ मिलेगा।

भलुहा निवासी तेजनाराण पांडेय ने कहा कि गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करने वाले सवर्ण अभी भी कई विषम परिस्थितियों से गुजरते हैं। सवर्ण होने से उन्हें किसी योजना का लाभ नहीं मिल पाता है। जबकि इस वर्ग से आने वाले कई निहायत गरीब है। ऐसे में उनके लिए ईडब्लूएस जरूरी है।

राजपुर निवासी विनय त्रिगुण ने कहा कि न सिर्फ गरीब सवर्णों को बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर सभी जातियों को आरक्षण मिलना चाहिए। ताकी वे इसका लाभ उठा अपना विकास कर समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सके। उन्होंने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले का स्वागत तथा वर्तमान परिवेश के लिए जरूरी बताया।

फटाफट खबरें

रेल-रोड ब्रिज निर्माण के दौरान क्रेन में लगी आग

गाजीपुर। रेल कम रोड ब्रिज के निर्माण के दौरान एक क्रेन में अचानक आग लग गई। अचानक आग लगने से क्रेन बुरी तरह जल गई। क्रेन में आग लगने की यह घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के झींगुर पट्टी इलाके में हुई। क्रेन गंगा नदी पर रेल कम रोड ब्रिज के निर्माण में लगी थी। आग लगने से वहां काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शी सोनू ने बताया कि क्रेन के पुल का गार्डर उठाने के दौरान उसमें अचानक आग लग गयी। जिसे देख ड्राइवर ने कूद कर अपनी जान बचाई। काफी देर बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया।

शांतिभंग में दस लोगों को किया चालान

बलिया। गड़वार थाना पुलिस शांतिभंग के मामले में गड़वार बाजार से दस लोगों को गिरफ्तार कर चालान कर ?दिया। गडवार थानाध्यक्ष आरके सिंह ने बताया कि शांति भंग करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। बताया कि कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि किसी को कोई समस्या है तो वे पुलिस को सूचना दें, कानून ना हाथ में ले और ना ही कानून तोडे। ऐसा करने वालों की सजा सिर्फ जेल होगी।

पाक्सो एक्ट का वांछित गिरफ्तार

बलिया। दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को बांसडीहरोड थाना पुलिस ने बुधवार को बांसडीहरोड बाजार तिराहे से गिरफ्तार किया। अभियुक्त का नाम अमित राम है तथा वे फेफना थाना अंतर्गत बंधैता गांव का रहने वाला है। बांसडीहरोड बाजार से एक गांव क नाबालिग के साथ अमित ने बलात्कार किया था तथा काफी दिनों से फरार चल रहा था। बुधवार को पुलिस मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी बांसडीहरोड तिराहा बाजार में खड़ा है तथा कहीं जाने की पिफराक में है। तभी पुलिस ने जाकर गिरफ्तार कर लिया।

ट्रेन से बरामद हुई नाबालिग लड़की

गाजीपुर। स्थानीय रेलवे पुलिस बल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत घर से भागी नाबालिग लड़की को बरामद किया गया। आरपीएफ ने उसे परिजनों तक पहुंचाने के लिए चाइल्ड लाइन को सौंप दिया है। गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ इंस्पेक्टर अमित कुमार राय ने बताया चेकिंग के दौरान सद्भावना ट्रेन में अकेली नाबालिक लड़की संदिग्ध अवस्था में पाई गई। संदेह होने पर उससे पूछताछ की गई तो पता चला कि मात्र 20 दिन में ही मोबाइल फोन पर शादी शुदा पंजाब के लड़के से हुए लगाव में हाजीपुर से वह घर से भागी हुई है।

नाबालिग को भगाने में मुकदमा दर्ज

बलिया। जिले के बेल्थरारोड के एक गांव की किशोरी को एक दूसरे संप्रदाय के युवक द्वारा बहला फुसला कर भगाया गया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि एक गांव में साइकिल मिस्त्री का कार्य करने वाले युवक द्वारा उसी गांव की एक नाबालिक किशोरी को पहले अपने भरोसे में लिया तथा मौका मिलते ही उसे बहलाकर उसके साथ रफूचक्कर हो गया।

हौसले को मिली उड़ान : घरों में बर्तन धोने वाली मां का लाल सुभाष बना फिल्म निर्माता

- इंडस्ट्री में मेकअप मैन से की थी शुरूआत, दिलीप कुमार ने दिखायी थी राह

तिलक कुमार/बलिया

चार साल की उम्र में अपने पिता को खोकर बलिया जैसे जिले का कोई बच्चा अगर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी कला के बूते किसी क्षेत्र में सबसे ऊंची पायदान पर पहुंचने में कामयाब रहे, तो इसे इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं की यह मुकाम उसने अपनी लगन, समर्पण और मेहनत के बूते पर हासिल किया है। यह कहानी है उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में किरिरापुर ब्लॉक के गांव उधरन से ताल्लुक रखने वाले सुभाष सिंह की। सुभाष ने सिनेमा के शुरूआती सबक मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार के संग सीखे। उन्होंने सुभाष को जब पहली बार पंढरी कहकर पुकारा। तक सुभाष को जब अंदाजा हुआ कि ये नाम इंडस्ट्री के सबसे दिग्गज मेकअपमैन का है, तो बस उन्होंने इस नाम को ही सार्थक करने का मन बना लिया। आइए जानते हैं सुभाष सिंह की कहानी, उन्हीं की जुबानी...

मां ने पाल पोस कर बड़ा किया

'जब मैं चार साल का था तभी पिता जी की मृत्यु हो गई। मां ने ही हमें पाल पोस कर बड़ा किया। पिताजी की गांव में कुछ जमीन थी। मां ने ये भी सोचा कि गांव की जमीन बेचकर हमारी ठीक से परवरिश कर सकेंगी। लेकिन, पिताजी के भाइयों ने हमें बहुत परेशान किया, हमारे ऊपर सांप और बिच्छू छोड़ दिए गए। हमारी बहुत बेइज्जती हुई और हमें मारकर गांव से भगा दिया। उसके बाद से आज तक कभी अपने गांव नहीं गए।'

घरों में कपड़े और बर्तन धोए

मुंबई आने के बाद हम लोग बांद्रा (पूर्व) के भारत नगर में रहते थे। पढाई के साथ साथ मैं दूसरों के घरों में जाकर कपड़े और बर्तन साफ करता था और शाम को बांद्रा के लिंकिंग रोड पर एक जूते चप्पल की दुकान पर भी काम करता था। मेरी बहन चंदा ने दिलीप कुमार और सायरा बानो के पर्सनल असिस्टेंट कम ड्राइवर अहमद से शादी कर ली। लिंकिंग रोड से अभिनेता दिलीप कुमार का पाली हिल बंगला नजदीक था तो मैं कभी कभी वहां खाना खाने चला जाया करता था। बड़े आदमियों का बड़प्पन कैसा होता है, ये मैंने पहली बार दिलीप कुमार में ही देखा।

दिलीप साहेब ने दिया हौसला

ह्ये उन दिनों की बात है जब दिलीप कुमार 'कर्मा' की शूटिंग कर रहे थे। अहमद भाई का साला होने के चलते दिलीप साब मुझे बहुत दुलार करते थे। कभी कभार तो मैं स्कूल न जाकर दिलीप साब के बंगले जा पहुंचता और अक्सर उनकी गाड़ी में बैठकर शूटिंग देखने चला जाता। ये फिल्म ह्यकर्मा॥ की शूटिंग के वक्त की बात है। दिलीप साहब एक दिन बोले, 'क्या रे पंढरी, तू तो रोज ही शूटिंग देखने आ जाता है, तुझे अगर इतना शौक है तो इंडस्ट्री क्यों नहीं ज्वाइन कर लेता?' पंढरी जुकर हिंदी सिनेमा के बहुत बड़े मेकअप आर्टिस्ट हुए हैं।

ब्याज पर रकम लेकर कार्ड बनवाया

ह्यदिलीप साब की बात मेरे दिल में घर कर गई। मैंने तय कर लिया कि मुझे भी इसी इंडस्ट्री में आना है। लेकिन मेरी मां नहीं मा रही थीं। मेरे घर में तो तब टीवी भी देखने की अनुमति नहीं थी। फिर मैंने अपनी दीदी चंदा से बात की। उन्होंने किसी तरह मां को समझाया। उस समय मेकअप आर्टिस्ट का यूनियन कार्ड 5400 रुपये में बनता था। (मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में किसी भी फिल्म की यूनिट में शामिल होने के लिए संबंधित क्राफ्ट की यूनियन की सदस्यता लेना जरूरी है) जहां मैं काम करता था वहां से 10 प्रतिशत की ब्याज पर मैंने 5400 रुपये उधार लिया था।

लूटकांड का वांछित अभियुक्त व 25 हजार का इनामी लूट के माल के साथ गिरफ्तार

पुलिस के लिए सिरदर्द बना शातिर अपराधी बंटी मुठभेड़ में घायल, सहयोगी भी धराया

जख्मी अपराधी अभिषेक

घटना स्थल की जांच करते एसपी

- देसी तमंचा, दो जिंदा कारतूस, चार खोखे, लूट के 30 हजार रुपये व चोरी की बाइक बरामद
- बंटी पर विभिन्न थानों में दर्ज है कुल 21 मामले, दूसरे का जुटाया जा रहा आपराधिक इतिहास

केटी न्यूज/गाजीपुर

एसपी रोहन प्रमोद बोत्रे के नेतृत्व में जिले की पुलिस अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पूरी तरह से तत्पर है। यही कारण है कि इन दिनों पुलिस को अपराध के रोकथाम में बड़ी सफलता मिली रही है। बीती रात भी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी। जिसमें बिरनो लूटकांड की घटना में वांछित अभियुक्त व 25000 रुपये का इनामी और शातिर अपराधी अभिषेक उर्फ बंटी अपने एक अन्य सहयोगी सीताराम के साथ पुलिस मुठभेड़ में लूट के माल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि एसपी के निर्देश पर जिले में देररात विभिन्न चौक-चौराहों पर सघन चेकिंग चलायी जा रही है। ताकि, आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने वाले बदमाशों पर नकेल कसा जा सके। इस क्रम में बीती रात रेवतीपुर मोड़ के पास थानाध्यक्ष रेवतीपुर व स्वाट टीम संयुक्त रूप से बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान दो बाइक सवार बदमाश अचानक आकर जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर करते हुए गहमर की तरफ भागने लगे। जिसके बाद रेवतीपुर थानाध्यक्ष ने मामले की जानकारी कंट्रोल रूम को दी और वहां मौजूद पुलिस की व स्वाट टीम अपराधियों का पीछा करने लगी।

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे एसपी

मामले की जानकारी होते ही एसपी मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे वारदात की छानबीन की। इस दौरान घायल बदमाश अभिषेक उर्फ बंटी को निकटतम सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य छानबीन और विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पुलिस ने दोनों के पास से दो अवैध देसी तमंचा, दो जिंदा कारतूस, चार खोखा कारतूस, लूट के 30000 रुपये व एक चोरी की अपाची बाइक बरामद की। साथ ही, पुलिस मौके से धराए सिताराम की अपराधिक कुंडली खंगालने में जुट गई। बताया जाता है कि बंटी पर विभिन्न थानों मे कुल 21 मामले दर्ज हैं। जिनमें चोरी, छिनतई, गुंडा एक्ट के मामले शामिल हैं।

बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग

इधर, कंट्रोल रूम ने गहमर थानाध्यक्ष को मामले की सूचना दे कर तत्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिसके बाद गहमर थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ बदमाशों को घेरने के लिए रेवतीपुर की ओर निकल पड़े। कुछ देरबाद स्वाट टीम, रेवतीपुर पुलिस व गहमर पुलिस की संयुक्त टीम ने सुहवल-गहमर रोड पर नवली गांव के पास उक्त बदमाशों को घेर लिया गया। खुद को घिरा हुआ देख अपराधियों में से एक ने गोली चलाई। जिसके जवाब में पुलिस और स्वाट टीम ने भी फायरिंग की। जिसमें एक गोली बदमाश अभिषेक उर्फ बंटी को पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। तभी उसका साथी सिताराम भागने का प्रयास करने लगा। लेकिन, पुलिस ने घेराबंदी कर उसे भी मौके पर ही पकड़ लिया।

छोटी खबरें

बड़े भाग्य से मिलता है मनुष्य का जीवन : साध्वी

गाजीपुर। मुहम्मदाबाद विकास खंड अंतर्गत यूसुफपुर स्थित माता महाकाली मंदिर परिसर में चल रहे श्रीराम कथा अमृत वर्षा में साध्वी साधना ने कथा के चौथे दिन बताया कि मनुष्य का जीवन बड़े भाग्य से मिलता हैं। फिर भी हम अपना अमूल्य जीवन क्षणिक विषयों के पीछे गंवा देते हैं। जिससे शास्त्रों में देव दुर्लभ कहा गया है। ऐसे देव दुर्लभ शरीर को हम आलस्य, प्रमोद, शौक, मौज, ऐश और आराम तथा भोग विलास में गवां देते हैं। जीवन रहते हम अपने आपको समझ नहीं पाते। हमारे ऋषियों ने इस क्षण भंगुर शरीर को व्याधियों का घर बताया है। इस संसार में चारों तरफ दुख का ही बोलबाला है। अब प्रश्न उठता है कि इस दुख से बचने का उपाय क्या है तो शास्त्र कहते हैं कि स्वेच्छा पूर्वक विषयों को त्यागने में ही सच्चा सुख है। जिसके पास जितना अधिक विषयों का संग्रह है वह उतना ही अधिक दुखी है। यदि हम अपने तथा संसार को सुखी देखना चाहते हैं । ममता और अहंकार का त्याग कर बड़े प्रेम से भगवान का भजन करें। छोटों को सम्मान दें बड़ों का आदर करें। जीवों पर दया करें। यही मानव जीवन का कर्म है और यदि भगवान से हम जुड़ जाएंगे तो हमारे जीवन का बेड़ा पार हो जाएगा हम इस समूह और माया के जंजाल से मुक्त हो जाएंगे। कथा के चौथे दिन भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की सुंदर झांकी भी प्रस्तुत की गई।

सेवारत व्यक्ति भी कर सकता है इग्नू से अध्ययन

गाजीपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पीजी कॉलेज अध्ययन केंद्र पर वर्तमान सत्र के लिए छात्र परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय निदेशक मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। क्षेत्रीय निदेशक ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित छात्र परिचय कार्यक्रम के बारे में मुख्य अतिथि एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बताया कि जब भी कोई छात्र रेगुलर स्टडी प्रोग्राम से डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम में एडमिशन लेता है, तो उसको बहुत सी नई जानकारियों की आवश्यकता होती है। इग्नू में एडमिशन लेने के बाद उन्हें डिस्टेंस लर्निंग से जुड़े असाइनमेंट स्टडी मैटरियल आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है। ऐसा करने से उन्हें पारंपरिक अध्ययन शैली से अलग दूरस्थ शिक्षा के बारे में बताकर उन्हें पाठ्यक्रम के अनुरूप मानसिक रूप से तैयार करने की कोशिश की जाती है। डॉ. त्रिपाठी ने आगे बताया कि सोशल मीडिया के बेहतर इस्तेमाल से इग्नू जैसी संस्थाएं छात्रों से और कारगर ढंग से संवाद स्थापित करने में कामयाब हुई है। डिस्टेंस लर्निंग के छात्र दूरदराज बैठे हैं, सोशल मीडिया पर इग्नू के हैंडल्स के जरिए अपने दूरस्थ शिक्षा को और सहज और बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इग्नू अब कुछ नए प्रयोग पर विशेष बल दे रही है। पीजी कॉलेज जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में समृद्ध संस्थाओं में ऑफलाइन क्लास भी इग्नू की ओर चलाए जाएंगे। जिससे छात्र और शिक्षक के बीच का संवाद और सहज और प्रभावशाली हो सके।

इस वर्ष 13733 हेक्टेयर अधिक रकबे में रबी की बुआई का लक्ष्य निर्धारित

बलिया। खरीफ की फसलें तैयार होने की कगार पर हैं। इसे देखते हुए कृषि विभाग ने रबी की तैयारी शुरू कर दी है। इस वर्ष खरीफ के दौरान काफी कम बारिश होने के कारण खासकर धान की रोपाई किसानों ने काफी कम की। इसके अलावा, खरीफ की फसलों की बुआई हुई लेकिन बाद में लगातार बारिश व बाढ़ से फसलों का नुकसान भी हुआ। जिसके कारण इस बार कृषि विभाग की ओर से रबी बुआई का 13733 हेक्टेयर का दायरा बढ़ाया गया है। इस वर्ष खरीफ के दौरान मानसून की दगाबाजी और पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण धान की बुआई काफी प्रभावित हुई। हालांकि बाद के महीनों में लगातार बारिश के चलते रोपे गए धान को तो संजीवनी मिली। लेकिन अन्य कई फसलों को नुकसान भी पहुंचा। इसके अलावा, गंगा और सरयू में आई बाढ़ ने भी कई क्षेत्रों में खरीफ की फसलों को तबाह कर दिया। इसे लेकर किसानों अब रबी फसलों पर उम्मीद लगाए हुए हैं। आमतौर पर जून माह के अंतिम सप्ताह में बारिश होने के बाद दो बार खेत की जुताई करते हैं तथा सितंबर व अक्टूबर में जुताई कर रबी की बोआई के लिए खेतों को तैयार किया जाता है। लेकिन इस वर्ष सितंबर महीने में बारिश हुई।

छुट्टा घूम रहे पशुओं से लोग परेशान

केटी न्यूज/गाजीपुर

मरदह क्षेत्र के विभिन्न चट्टी चौराहे सहित ग्रामीणांचलों में एक बार फिर छुट्टा आवारा पशुओं का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। फसलों की बबार्दी पर आंसू बहा रहे हैं। छुट्टा आवारा पशुओं के आतंक से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों व किसानों की समस्यायों को कोई सुनने को तैयार नहीं है। छुट्टा आवारा पशुओं द्वारा हताशा फसल बबार्दी ने किसानों को तबाह कर रखा है।

भाजपा सरकार द्वारा गोवंश पूर्ण प्रतिबंध पशु व्यापार पर रोक लगाने और पशुओं की खरीद बिक्री करने वाले किसानों व्यापारियों पर हमले और पुलिस उत्पीड़न के कारण गाय बछड़ा वन्य पशु छुट्टा घूम रहे हैं। उनकी तादाद खतरनाक रूप से बढ़ती जा रही है। आलम यह है कि बरहीं चट्टी से मटेहूं चट्टी तक यह पशु इस मार्ग पर दिन रात विचरण कर रहे और इनके लिए आरामगाह बना मरदह बस स्टैंड स्थित फ्लाईओवर, जहां यह बीच राह में रात के पहर में आराम फरमाते हैं। गंदगी भी करते हैं, जहां से गुजरने वाले लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जा रहा है। पशु आवागमन करने वाले वाहनों के सामने अचानक आ जा रहे हैं।

प्रतिबंध के बावजूद खेतों में जलाई जा रही पराली, प्रशासन मौन

केटी न्यूज/गाजीपुर

शासन-प्रशासन के जिम्मेदारों के नाक के नीचे ही जिले के विभिन्न इलाकों में दिन रात पराली जलाई जा रही है, लेकिन सभी खामोश हैं। शासन ने पराली जलाने वालों के ऊपर कड़ी कार्रवबाई करने का निर्देश दिया है। जिसके तहत एक हेक्टेयर में फसल अवशेष जलाने पर ढाई हजार रुपये का जुमार्ना लगाने का प्रावधान है। दो से पांच हेक्टेयर में फसल अवशेष जलाने पर पांच हजार रुपये और पांच हेक्टेयर से अधिक में फसल अवशेष जलाने पर 15 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाना तय है। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता नजर आ रहा। कासीमाबाद तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में दिन हो रात खेतों में पराली धड़ल्ले से जलाई जा रही। हालांकि, यूपी सरकार ने इन मामलों में सख्ती बरतते हुए जुमार्ना वसूली की कार्रवाई शुरू भी कर दी है। कई जिलों में जुर्माने भी किए गए हैं। वहीं चेतावनी दी जा रही है कि पराली जलाने वाले किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा सकता है। पराली जलाने पर सेटेलाइट से नजर रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि यूपी में पराली जलाने के मामले पिछले साल से कम हैं। लेकिन, हालत कुछ और बयां कर रहे हैं। किसान अब भी पराली जला रहे हैं। निगरानी के लिए कृषि विभाग व राजस्व विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन इनके पास फुर्सत नहीं है। अब इनके तरफ ध्यान दें। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का कहना है कि पराली जलाने की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट बेहद सख्त है। कोर्ट का जो भी आदेश होगा उस पर अमल किया जाएगा। वहीं, मामले में एडीओ कृषि नवनीत तिवारी ने कहा कि खेतों में पराली के लिए बी कम्पोजर दवा छिड़काव के लिए दी जा रही है। साथ ही, लोगों को जागरूक किया जा रहा, जो किसान पराली जलाते पाया जा रहा उसकी सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को दी जा रही है।

टी-20 वर्ल्ड कप में धूम मचा रहे सूर्यकुमार यादव के दादा बोले, पोते पर गर्व है

- सूर्य कुमार की धुआंधार बल्लेबाजी से जनपदवासियों में खुशी
- सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर दादा ने कहा - पोते पर है गर्व

केटी न्यूज/अखिलानंद तिवारी

क्रिकेटर सूर्यकुमार

सूर्यकुमार के परिजन

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला अंतर्गत छोटे से गांव हथौड़ा में जन्में क्रिकेटर सूर्य कुमार यादव का बल्ला विश्व क्षितिज पर चमकने लगा है। जिले के धुआंधार बल्लेबाज सूर्यकुमार इन दिनों टी-20 वर्ल्ड कप 2022 ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे हैं। आस्ट्रेलिया में चल रहे मैच में सूर्यकुमार यादव अपने बल्ले से बॉलर्स के छक्के छुड़ा रहे हैं। लोग उन्हें भारत का एबी डिविलियर्स और स्काई नाम से भी बुलाते है। मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप की बात करें, तो सूर्य कुमार यादव ने जबरदस्त फॉर्म दिखाया है। जब वह मैदान में जमकर चौके छक्के लगाते हैं, तो गांव में लोग लाल के प्रदर्शन पर तालियां बजाते नहीं थकते।

बीते रविवार को जिंबाब्वे के खिलाफ सूर्य कुमार यादव की 25 गेंदों पर 61 रनों की बारिश में पूरा गाजीपुर जनपद हर्षोल्लास में डूबा हुआ है। टीम इंडिया की इस जीत के बाद सूर्या के हथौड़ा गांव स्थित उनके निवास पर पहुंच कर बधाइयां देने वालों का क्रम जारी है। सूर्य कुमार यादव के दादा और सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर विक्रमा यादव ने कहा कि मुझे अपने पोते पर गर्व है। मेरे लाल ने कमाल किया है। वह एक न एक दिन जरूर भारतीय टीम का कप्तान बनेगा।

गाजीपुर के हथौड़ा गांव निवासी सूर्यकुमार यादव मौजूदा समय में मुंबई के आलीशान अपार्टमेंट में परिवार के साथ रहते है।` यहां वो अपनी पत्नी देविशा, माता-पिता और बहन के साथ रहते हैं। हथौड़ा गांव में टीवी सभी घरों में आ चुकी है लेकिन सूर्यकुमार के घर क्रिकेटप्रेमी विश्वकप के मैच देखने जाना नहीं भूलते हैं।

गाजीपुर जिले के हथौड़ा गांव निवासी सूर्यकुमार के घर पर इन दिनों सिर्फ मनौतियों और पूजा के साथ ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चल रहा है। सबकी एक ही कामना है कि भारत टी-20 का विश्वकप जीते और सूर्यकुमार का बल्ला खूब गरजे। रिश्तेदारों ने बताया कि सूर्यकुमार का घरेलू नाम आकाश होने से उसे अपने नाम के अनुसार आकाश में चमक बिखेरने में खूब आनंद आता है। सूर्यकुमार भी अपने माता पिता की तरह धार्मिक हैं। उनकी मां छठ करती हैं। इस साल सूर्या की पत्नी देविशा के ऑस्ट्रेलिया में रहने के कारण उनकी मां ने घर की दूसरी बहू सोनी और बेटी डिनल के साथ छठ मनाया।

टीम इंडिया छह वर्ष बाद टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। सूर्यकुमार यादव भी एक कैलेंडर इयर में एक हजार रन बनाकर टी-20 विश्व रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बने हैं। गाजीपुर के सैदपुर क्षेत्र के हथौड़ा गांव के लाल सूर्या क्रिकेट की दुनिया में लगातार इतिहास रच रहे हैं।

हर तरफ जय श्रीराम की गूंज

लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए निकली कलश यात्रा, 50 हजार से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल

- चहुओर भक्ति की बयार, जय श्रीराम के जयघोष से भक्ति रस में डूबा अहिल्या धाम
- पूज्य जीयर स्वामी जी महाराज 10 नवंबर से प्रतिदिन सुबह सात से आठ बजे कुटिया में करेंगे आरती
- अपराह्न छह से सात बजे प्रतिदिन मुख्य कथा पंडाल में भागवत कथा करेंगें स्वामी जी

केटी न्यूज/बक्सर

बच्चे, बूढ़े और जवान, हर किसी के कदम पवित्र गंगा नदी से जल भरकर अहिरौली में गुरुवार से होनेवाले लक्ष्मीनारायण महायज्ञ स्थल की ओर बढ़ रहे थे। बुधवार को आस्था, भक्ति और अनूठी श्रद्धा का भव्य नजारा दिखा। इस दौरान जय श्रीराम के उदघोष से पूरा इलाका गूंजता रहा। ऐसा लग रहा था, मानो प्रभु श्रीराम की अगुवाई करने पूरा शहर उमड़ पड़ा हो। पूजनीय लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के निर्देशन में निकाली गई इस जलभरी व कलश यात्रा में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। इसका आयोजन सनातन संस्कृति समागम माता अहिल्या धाम बक्सर में गुरुवार से होने वाले श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के उपलक्ष्य में किया गया। सात दिवसीय वैदिक महायज्ञ कार्यक्रम श्रीराम कर्मभूमि न्यास के तत्वावधान में किया जा रहा है। यात्रा आरंभ होने से पूर्व यज्ञाचार्य विजय राघव जी ने वैदिक मंत्रों के साथ प्रधान कलश का पूजन कराया। इस अवसर पर उपाचार्य संतोष चौबे, ब्रम्हा धनजी चौबे, उपब्रम्हा राजाराम जी मौजूद रहे। इस कलश यात्रा की खास बात यह रही कि इसमें बड़ी संख्या में हाथी, ऊंट, घोड़े के अलावा कई रथ शामिल हुए। एक तरफ हजारों की संख्या में लोग हाथों में भगवा झंडा लिये प्रभु श्रीराम का जयघोष करते आगे बढ़ रहे थे। वहीं दूसरी ओर बाइक पर सवार होकर युवाओं का झुंड जय श्रीराम और हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए चल रहा था। इस दौरान सभी के चेहरे पर एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा था। इस जलभरी यात्रा में हर उम्र, हर जाति और हर वर्ग के लोग शामिल हुए। यूं कहें कि इस यात्रा ने जात-पात, ऊंच-नीच के भेदभाव को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया था। जो भी इस यात्रा में पहुंचा उसके मन में राम बसे थे। समागम के संयोजक सह केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे कलश यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने इस यात्रा को भव्य व दिव्य बताते हुए कहा कि इसमें हजारों श्रद्धालु अपने सिर पर कलश ले यज्ञ स्थल से सेंडिकेट नहर पुल होते हुए सब्जी मंडी, टाउन थाना होकर रामरेखा घाट पहुंचे। यहां से कलश में जल भरकर पीपरपाती रोड, आर्वेदिक कॉलेज होते हुए यज्ञ स्थल पर पहुंचे। समागम सांस्कृतिक व आध्यात्मिक महाकुंभ में तब्दील हो गया है। हर तरफ आध्यत्म की बयार बह रही है।

गृहस्थ जीवन में भी रहकर प्राप्त किया जा सकता है भक्ति और बैराग : अनंताचार्य जी

भगवान को प्राप्त करने के लिए सबसे सर्वोत्तम ग्रंथ है श्रीमद्भागवत

केटी न्यूज/बक्सर

जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री अनंताचार्य जी महाराज जी ने श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बताया कि ज्ञान और वैराग्य भक्ति के दो पुत्र हैं। जब जीवन में भगवान के प्रति भक्ति आ जाती है तो परमात्मा तक पहुंचने का मार्ग खुल जाता है। भक्ती भी चंचल है इसे सदैव पकड़ कर रखना पड़ता है। और जब जीवन में भक्ती आ जाती है, तो ज्ञान और वैराग्य प्राप्त हो जाता है।

और जब ज्ञान और वैराग्य प्राप्त हो जाता है। तो विवेक अपने आप आ जाता है और जब विवेक प्राप्त हो जाता है। तो मानव दुःख सुख के भाव से उपर उठ जाता है। ऐसा नहीं है कि भक्ति के लिए सांसारिक जीवन का त्याग करना पड़ता है। गृहस्थ जीवन में भी रहकर भक्ति और बैराग प्राप्त किया जा सकता है। जैसे राजा जनक जी ने प्राप्त किया था।

भगवान ने श्रीमद्भागवत गीता में कहा है कि सत्कर्म से स्वर्ग तक का सुख प्राप्त हो सकता है, मगर भगवान की भक्ति से बैकुंठ का सुख भी प्राप्त हो जाता है। भगवान को प्राप्त करने के लिए श्रीमद्भागवत ग्रंथ सबसे सर्वोत्तम ग्रंथ है। इनका ध्यानपूर्वक श्रवण करना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा के शुरू होने पर मंत्रोच्चारण के साथ व्यास पीठ की पूजा की गई। न्यास के न्यासी अरुण मिश्र, प्रदीप राय, नीता चौबे, राजेश सिंह उर्फ राघोजी, राजेंद्र ठाकुर मौजूद रहे।